```
। पादायं प्रपदं
```

थ पादः पद् " ऋंक्रिश् चर्णो [ऽस्त्रियां] ॥ २२ ॥

उ [तद्भन्थी] घुटिके धगुल्फी

4 [पुमान्] पार्क्तिर् [ऋधस् तयोः]।

5 जंचा [तु] प्रसृता

6 जानूरूपर्वाष्ठीवर् किम्रास्त्रयां]॥ २३॥

7 सिक्य [क्रीवे पुमान्] ऊरुस्

8 [तत्सन्धिः पुंसि] वंक्षणः।

9 गुढं [त्व्] ऋपानं पायुर् [ना]

10 वस्तिर्°[नाभर् ऋधो द्वाः]॥ २४॥

11 करो [ना] स्रोणिफलकं किटि: ह स्रोणी किक्याती।

12 [प्रम्यान्] नितम्बः [स्त्रीकय्याः]

किवे तु जिन् [पुरः] ॥ २५॥

14 [क्रपको तु नितम्बस्यो द्वयहीने] कुकुरो ।

15 [स्त्रियां] स्पिचौ किटिप्रोधाव् ^j

(1) Bout du pied. — (2) Pied. — (3) Chevilles du pied. — (4) Talon. — (5) Jambe. — (6) Genou. — (7) Cuisse. — (8) Aine. — (9) Anus. — (10) Abdomen. — (11) Hanche et reins [quelques-uns distinguent les deux premiers termes comme signifiant la hanche]. — (12) Fesses d'une femme. — (13) Mons Veneris. — (14) Cavités des reins. — (15) Fesses.

"पत् et पदः m. aussi पादं et पदं n. — b Et ग्रंघिः m. quelques-uns font ces deux mots aussi neutres. — e घृटिका et घृटिः ou घृटीः; aussi घृटः. — d जानु, उरुपर्व, म्रष्ठी-वत् neut. जानुः, उरुपर्वा, म्रष्ठीवान् masc. — e Masc. et fém. aussi वस्ती f. — f Également म्रोपोफलं. — Et कटी. — Du म्रोपिः. — Aussi ककुन्दरं. — Sing. किटिपोधः; également किटिः et प्रोधः.